चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....दैनिक जागरण.....

दिनांक 21.9.2020....पृष्ठ संख्या.....2.....कॉलम.....7-8.....

13-14 अक्टूबर को वर्चुअल किसान मेला लगाएगा एचएयू

जागरण संवाददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) इस बार वर्चुअल किसान मेला आयोजित करने जा रहा है। मेले का आयोजन पंजाब एग्रीकल्चर विश्वविद्यालय के तर्ज पर कराया जा रहा है। पंजाब कृषि विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित किसान मेले में विश्वविद्यालय से वैज्ञानिकों की एक टीम भी मुआयना करने गई थी। वैज्ञानिकों की टीम द्वारा सौंपी गई रिपोर्ट के आधार पर विश्वविद्यालय ने भी उसी तर्ज पर मेला आयोजित करने के लिए एक बैठक बुलाकर फैसला लिया है। इस वर्चुअल मेले में देश के विभिन्न राज्यों के किसान शामिल होंगे।

दो दिवसीय वर्चुअल किसान मेले का आयोजन आगामी 13 व 14 अक्टूबर को किया जाएगा। मेले का मुख्य विषय फसल अवशेष प्रबंधन होगा। यह फैसला सोमवार को मेले के आयोजक विस्तार शिक्षा निदेशक डा. आरएस हुड्डा की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में लिया गया। डा. आरएस हुड्डा ने बताया कि कोरोना महामारी के चलते प्रतिवर्ष की तरह फिजिकली रूप से किसान मेले का आयोजन संभव नहीं है। इसलिए इस किसान मेले का आयोजन किसानों के हित को ध्यान में रखते हुए ऑनलाइन माध्यम से वर्चुअल रूप से किया जाएगा।

मेला सुबह 10 बजे से सांय 4 बजे तक चलेगा। दूसरे दिन के सत्र में प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम होगा ।

फिजिकल मेले का दूसरा रूप होगा वर्चुअल किसान मेला

कोरोना महामारी के चलते पहली बार आयोजित किया जा रहा वर्चुअल किसान मेला फिजीकली रूप से आयोजित किए जाने वाले मेले का दूसरा रूप होगा। इसमें उसी प्रकार से किसानों को जानकारियां मुहैया करवाई जाएंगी, जिस प्रकार फिजीकली रूप से होने वाले मेले में दी जाती थी। एचएयू की ओर से प्रतिवर्ष राष्ट्रीय किसान मेले का आयोजन सितंबर माह में किया जाता रहा है, जिसमें देशभर से लाखों किसान भाग लेते थे। मेले में विश्वविद्यालय द्वारा विकसित नई-नई किस्मों के बीज किसानों को उपलब्ध करवाए जाते थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम हरि भूमि

दिनांक 29.9.2020 पृष्ठ संख्या 9 कॉलम 4-6

एचएयू फसल अवशेष प्रबंधन थीम पर लगेगा वर्चुअल किसान मेला

■ 13 और 14 अक्टूबर को होगा मेले का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की ओर से दो दिवसीय वर्चुअल किसान मेले का आयोजन आगामी 13 व 14 अक्टूबर को किया जाएगा। मेले का मुख्य विषय फसल अवशेष प्रबंधन होगा। यह फैसला सोमवार को मेले के आयोजक विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. हुड्डा की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में लिया गया। डॉ. आर.एस. हुड्डा ने बताया कि कोरोना महामारी के चलते प्रतिवर्ष की तरह फिजिकली रूप से किसान मेले का आयोजन संभव नहीं है। इसलिए इस किसान मेले का आयोजन किसानों के हित को ध्यान में रखते हुए ऑनलाइन माध्यम से वर्चुअल रूप से किया जाएगा। इसके लिए विश्वविद्यालय की ओर से सभी तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। **फिजीकल मेले का ही दूसरा रूप होगा वर्चुअल किसान मेला** विस्तार शिक्षा निदेशक अनुसार कोरोना महामारी के चलते पहली बार आयोजित किया जा रहा वर्चुअल किसान मेला फिजीकली रूप से आयोजित किए जाने वाले मेले का दूसरा रूप होगा। इसमें उसी प्रकार से किसानों को जानकारियां मुहैया करवाई जाएंगी, जिस प्रकार फिजीकली रूप से होने वाले मेले में दी जाती थी। **टीम गठित, टेक्नीकल एक्सपर्ट को किया टीम में शामिलः** किसान मेले को सफल बनाने के लिए विश्वविद्यालय की ओर से टेक्नीकल एक्सपर्ट की टीम का गठन कर जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। साथ ही किसानों की मेले के दौरान किसी भी प्रकार की समस्या से संबंधित आने वाली ऑनलाइन रिक्वेस्ट का तुरंत रिस्पॉंस देने के लिए वैज्ञानिकों की टीम का पैनल बनाया गया है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम........दैनिक भास्कर, अमर उजाला

दिनांक 29.9.2020 पृष्ठ संख्या........4, 2........कॉलम........4, 6-7

एचएयू 13 और 14 को आयोजित करेगा राष्ट्र स्तरीय वर्चुअल मेला

हिसार | चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय दो दिवसीय वर्चुअल किसान मेला आगामी 13 व 14 अक्टूबर को आयोजन करेगा। मेले का मुख्य विषय 'फसल अवशेष प्रबंधन' होगा। यह फैसला सोमवार को मेले के आयोजक विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आरएस हुड्डा की अध्यक्षता में हुई बैठक में लिया गया। बैठक में एचएयू के सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता एवं विभागाध्यक्ष सहित मेले के आयोजन के लिए तकनीकी स्टाफ भी मौजूद रहा। डॉ. आरएस हुड्डा ने बताया कि कोरोना के चलते प्रतिवर्ष की तरह फिजिकली रूप से किसान मेले का आयोजन संभव नहीं है। इसलिए किसानों के हित को ध्यान में रखते हुए ऑनलाइन माध्यम से वर्चुअल आयोजन किया जाएगा। इसके लिए एचएयू सभी तैयारियों को अंतिम रूप दे रहा है। उन्होंने बताया कि गत दिनों पंजाब कृषि विश्वविद्यालय लुधियाना में भी देश के पहले वर्चुअल किसान मेले का आयोजन किया था, जो सफल रहा। उसी तर्ज पर एचएयू में भी किसान मेले का आयोजन किया जा रहा है। पंजाब कृषि विश्वविद्यालय की ओर से आयोजित किसान मेले में विश्वविद्यालय से वैज्ञानिकों की एक टीम भी मुआयना करने गई थी। वैज्ञानिकों की टीम द्वारा सौंपी गई रिपोर्ट के आधार पर विश्वविद्यालय ने भी उसी तर्ज पर मेला आयोजित करने के लिए एक बैठक बुलाकर फैसला लिया है।

एचएयू का वर्चुअल किसान मेला 13 व 14 अक्तूबर को

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की ओर से दो दिवसीय वर्चुअल किसान मेले का आयोजन 13 व 14 अक्तूबर को किया जाएगा। मेले का मुख्य विषय 'फसल अवशेष प्रबंधन' होगा।

मेले को लेकर विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आरएस हुड्डा ने बताया कि कोरोना महामारी के चलते फिजिकली रूप से किसान मेले का आयोजन संभव नहीं है। इसलिए इस बार मेले का ऑनलाइन माध्यम से वर्चुअल रूप से किया जाएगा। मेला सुबह 10 से शाम 4 बजे तक चलेगा। मेले के दूसरे दिन के सत्र में प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम होगा, जिसमें किसानों के सवालों के जवाब दिए जाएंगे। विश्वविद्यालय द्वारा विकसित नई किस्मों और आधुनिक कृषि यंत्रों की भी जानकारी ऑनलाइन दी जाएगी। किसान घर बैठे बीज सहित अन्य पदार्थों की ऑनलाइन बुकिंग करवा सकेंगे। बाद में किसानों को उनकी बुकिंग अनुसार नजदीकी कृषि विज्ञान केंद्रों या अन्य माध्यमों से सामान मुहैया करवाया जाएगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....पंजाब केसरी.....

दिनांक 29.9.2020...पृष्ठ संख्या.....2.....कॉलम.....1-3.....

एच.ए.यू. 'फसल अवशेष प्रबंधन' थीम पर आयोजित करेगा वर्चुअल किसान मेला

हिसार, 28 सितम्बर (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की ओर से 2 दिवसीय वर्चुअल किसान मेले का आयोजन आगामी 13 व 14 अक्तूबर को किया जाएगा। मेले का मुख्य विषय 'फसल अवशेष प्रबंधन' होगा। यह फैसला सोमवार को मेले के आयोजक विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. हुड्डा की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में लिया गया। इसमें विश्वविद्यालय के सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता एवं विभागाध्यक्ष सहित मेले के आयोजन के लिए तकनीकी स्टाफ भी मौजूद था। डॉ. हुड्डा ने बताया कि कोरोना महामारी के चलते प्रतिवर्ष की तरह फिजिकली रूप से किसान मेले का आयोजन संभव नहीं है। इसलिए इस किसान मेले का आयोजन किसानों के हित को ध्यान में रखते हुए ऑनलाइन माध्यम से वर्चुअल रूप से किया जाएगा। इसके लिए विश्वविद्यालय की ओर से सभी तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

विस्तार शिक्षा निदेशक अनुसार कोरोना महामारी के चलते पहली बार आयोजित किया जा रहा वर्चुअल किसान मेला फिजीकली रूप से आयोजित किए जाने वाले मेले का ही दूसरा रूप होगा। इसमें उसी प्रकार से किसानों को जानकारियां मुहैया करवाई जाएंगी, जिस प्रकार फिजीकली रूप से होने वाले मेले में दी जाती थी।

टीम गठित, टैक्नीकल एक्सपर्ट को किया शामिल

किसान मेले को सफल बनाने के लिए विश्वविद्यालय की ओर से टैक्नीकल एक्सपर्ट की टीम का गठन कर जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं।

साथ ही किसानों की मेले के दौरान किसी भी प्रकार की समस्या से संबंधित आने वाली ऑनलाइन रिक्वैस्ट का तुरंत रिस्पांस देने के लिए भी एक वैज्ञानिकों की टीम का पैनल बनाया गया है, जो किसानों की हर समस्या का ऑनलाइन समाधान बताएंगे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....सच कहूँ.....

दिनांक 29.9.2020.....पृष्ठ संख्या.....1.....कॉलम.....1.....

एचएयू आयोजित करेगा वर्चुअल किसान मेला

■ 13 व 14 अक्तूबर को 'फसल अवशेष प्रबंधन' थीम पर होगा मेला, सफलतापूर्वक आयोजन के लिए कमेटियां गठित

हिसार (सच कहूँ न्यूज)।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की ओर से दो दिवसीय वर्चुअल किसान मेले का आयोजन आगामी 13 व 14 अक्तूबर को किया जाएगा। मेले का मुख्य विषय 'फसल अवशेष प्रबंधन' होगा। यह फैसला सोमवार को मेले के आयोजक विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. हुड्डा की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में लिया गया। बैठक में विश्वविद्यालय के सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता एवं विभागाध्यक्ष सहित मेले के आयोजन के लिए तकनीकी स्टाफ भी मौजूद था। डॉ. आर.एस. हुड्डा ने बताया कि कोरोना महामारी के चलते प्रतिवर्ष की तरह फिजिकली रूप से किसान मेले का आयोजन संभव नहीं है। इसलिए इस किसान मेले का आयोजन किसानों के हित को ध्यान में रखते हुए ऑनलाइन माध्यम से वर्चुअल रूप से किया जाएगा। इसके लिए विश्वविद्यालय की ओर से सभी तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि गत दिनों पंजाब कृषि विश्वविद्यालय लुधियाना में भी देश के पहले वर्चुअल किसान मेले का आयोजन किया गया था, जो सफल रहा। उसी तर्ज पर एचएयू में भी किसान मेले का आयोजन किया जा रहा है। पंजाब कृषि विश्वविद्यालय की ओर से आयोजित किसान मेले में विश्वविद्यालय से वैज्ञानिकों की एक टीम भी मुआयना करने गई थी। वैज्ञानिकों की टीम द्वारा सौंपी गई रिपोर्ट के आधार पर विश्वविद्यालय ने भी उसी तर्ज पर मेला आयोजित करने के लिए एक बैठक बुलाकर फैसला लिया है। इस वर्चुअल मेले में देश के विभिन्न राज्यों के किसान शामिल होंगे। मेला सुबह 10 बजे से सांय 4 बजे तक चलेगा। मेले के दूसरे दिन के सत्र में प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम होगा जिसमें किसानों के सवालों के जवाब दिए जाएंगे।

समाचार पत्र का नाम........समर घोष........
दिनांक ..28.9.2020.. पृष्ठ संख्या....—.... कॉलम....—....

'फसल अवशेष प्रबधन' थीम पर होगा वर्चुअल किसान मेला

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की ओर से दो दिवसीय वर्चुअल किसान मेले का आयोजन आगामी 13 व 14 अक्टूबर को किया जाएगा। मेले का मुख्य विषय 'फसल अवशेष प्रबंधन' होगा। यह फैसला सोमवार को मेले के आयोजक विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. हुड्डा की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में लिया गया। बैठक में विश्वविद्यालय के सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता एवं विभागाध्यक्ष सहित मेले के आयोजन के लिए तकनीकी स्टाफ भी मौजूद था। डॉ. आर.एस. हुड्डा ने बताया कि कोरोना महामारी के चलते प्रतिवर्ष फिजिकली रूप से किसान मेले का आयोजन संभव नहीं है। इसलिए इस किसान मेले का आयोजन किसानों के हित को ध्यान में रखते हुए ऑनलाइन माध्यम से वर्चुअल रूप से किया जाएगा। इसके लिए विश्वविद्यालय की ओर से सभी तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि पिछले दिनों पंजाब कृषि विश्वविद्यालय लुधियाना में भी देश के पहले वर्चुअल किसान मेले का आयोजन किया गया था, जो सफल रहा। उसी तर्ज पर एचएयू में भी किसान मेले का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस वर्चुअल मेले में देश के विभिन्न राज्यों के किसान शामिल होंगे। मेला सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक चलेगा। मेले के दूसरे दिन के सत्र में प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम होगा जिसमें किसानों के सवालों के जवाब दिए जाएंगे। उन्होंने बताया कि किसान मेले को सफल बनाने के लिए विश्वविद्यालय की ओर से टेक्नीकल एक्सपर्ट की टीम का गठन कर जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। साथ ही किसानों की मेले के दौरान किसी भी प्रकार की समस्या से संबंधित आने वाली ऑनलाइन रिक्वेस्ट का तुरंत रिस्पोंस देने के लिए भी एक वैज्ञानिकों की टीम का पैनल बनाया गया है, जो किसानों की हर समस्या का ऑनलाइन समाधान बताएंगे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम........नभ छोर........

दिनांक 28.9.2020 पृष्ठ संख्या........—........कॉलम........—........

हकृवि का वर्चुअल किसान मेला 13 व 14 को

हिसार/28 सितंबर/रिपोर्टर
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की ओर से दो दिवसीय वर्चुअल किसान मेले का आयोजन 13 व 14 अक्टूबर को किया जाएगा जिसका मुख्य विषय 'फसल अवशेष प्रबंधन' होगा। यह फैसला आज मेले के आयोजक विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आरएस हुड्डा की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में लिया गया। डॉ. हुड्डा ने बताया कि कोरोना महामारी के चलते किसान मेले का आयोजन ऑनलाइन माध्यम से वर्चुअल रूप से किया जाएगा। उन्होंने बताया कि गत दिनों पंजाब कृषि विश्वविद्यालय लुधियाना में भी देश के पहले

वर्चुअल किसान मेले का आयोजन किया गया था, जो सफल रहा। उसी तर्ज पर एचएयू में भी किसान मेले का आयोजन किया जा रहा है। पंजाब कृषि विश्वविद्यालय की ओर से आयोजित किसान मेले में विश्वविद्यालय से वैज्ञानिकों की एक टीम भी मुआयना करने गई थी। वैज्ञानिकों की टीम द्वारा सौंपी गई रिपोर्ट के आधार पर विश्वविद्यालय ने भी उसी तर्ज पर मेला आयोजित करने के लिए फैसला लिया है। इस वर्चुअल मेले में देश के विभिन्न राज्यों के किसान शामिल होंगे। मेला सुबह 10 बजे से सायं 4 बजे तक चलेगा। मेले के दूसरे दिन के सत्र में प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम होगा जिसमें किसानों के सवालों के जवाब दिए जाएंगे। विस्तार शिक्षा निदेशक के अनुसार कोरोना महामारी के चलते पहली बार आयोजित किया जा रहा वर्चुअल किसान मेला फिजीकली रूप से आयोजित किए जाने वाले मेले का दूसरा रूप होगा। इसमें उसी प्रकार से किसानों को जानकारियां मुहैया करवाई जाएंगी। जिस प्रकार फिजीकली रूप से होने वाले मेले में दी जाती थी। इस बार यह सब प्रक्रिया ऑनलाइन होगी जिसमें किसान घर बैठे बीज सहित अन्य पदार्थों की ऑनलाइन बुकिंग करवा सकेंगे। बाद में किसानों को उनव बुकिंग अनुसार नजदीकी कृषि विज्ञान केंद्रों या अन्य माध्यमों से सामान मुहैया करवाया जाएगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....सिटी पल्स.....

दिनांक 28.9.2020 पृष्ठ संख्या.....—.....कॉलम.....—.....

एचएयू 'फसल अवशेष प्रबंधन' थीम पर आयोजित करेगा वर्चुअल किसान मेला

हिसार। बैठक में शामिल अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत सहित सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता एवं विभागाध्यक्ष।

सिटी पल्स न्यूज़, हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की ओर से दो दिवसीय वर्चुअल किसान मेले का आयोजन 13 व 14 अक्टूबर को किया जाएगा। मेले का मुख्य विषय 'फसल अवशेष प्रबंधन' होगा। यह फैसला सोमवार को मेले के आयोजक विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. हुड्डा की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में लिया गया। बैठक में विश्वविद्यालय के सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता एवं विभागाध्यक्ष सहित मेले के आयोजन के लिए तकनीकी स्टाफ भी मौजूद था। डॉ. आर.एस. हुड्डा ने बताया कि कोरोना महामारी के चलते प्रतिवर्ष की तरह फिजिकली रूप से किसान मेले का आयोजन संभव नहीं है इसलिए इस किसान मेले का आयोजन किसानों के हित को ध्यान में रखते हुए ऑनलाइन माध्यम से वर्चुअल रूप से किया जाएगा। इसके लिए विश्वविद्यालय की ओर से सभी तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....नित्य शक्ति टाइम्स.....

दिनांक 28.9.2020.....पृष्ठ संख्या.....-.....कॉलम.....-.....

हकृवि 'फसल अवशेष प्रबंधन' थीम पर आयोजित करेगा वर्चुअल किसान मेला

13 व 14 अक्टूबर को होगा मेला, सफलतापूर्वक आयोजन के लिए कमेटियां गठित

नित्य शक्ति टाइम्स न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की ओर से दो दिवसीय वर्चुअल किसान मेले का आयोजन आगामी 13 व 14 अक्टूबर को किया जाएगा। मेले का मुख्य विषय 'फसल अवशेष प्रबंधन' होगा। यह फैसला सोमवार को मेले के आयोजक विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. हुड्डा की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में लिया गया। बैठक में विश्वविद्यालय के सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता एवं विभागाध्यक्ष सहित मेले के आयोजन के लिए तकनीकी स्टाफ भी मौजूद था। डॉ. आर.एस. हुड्डा ने बताया कि कोरोना महामारी के चलते प्रतिवर्ष की तरह फिजिकली रूप से किसान मेले का आयोजन संभव नहीं है। इसलिए इस किसान मेले का आयोजन किसानों के हित को ध्यान में रखते हुए ऑनलाइन माध्यम से वर्चुअल रूप से किया जाएगा। इसके लिए विश्वविद्यालय की ओर से सभी तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि गत दिनों पंजाब कृषि विश्वविद्यालय लुधियाना में भी देश के पहले वर्चुअल किसान मेले का आयोजन किया गया था, जो सफल रहा। उसी तर्ज पर एचएयू में भी किसान मेले का आयोजन किया जा रहा है। पंजाब कृषि विश्वविद्यालय की ओर से आयोजित किसान मेले में विश्वविद्यालय से वैज्ञानिकों की एक टीम भी मुआयना करने गई थी। वैज्ञानिकों की टीम द्वारा सौंपी गई रिपोर्ट के आधार पर विश्वविद्यालय ने भी उसी तर्ज पर मेला आयोजित करने के लिए एक बैठक बुलाकर फैसला लिया है। इस वर्चुअल मेले में देश के विभिन्न राज्यों के किसान शामिल होंगे। मेला सुबह 10 बजे से सांय 4 बजे तक चलेगा। मेले के दूसरे दिन के सत्र में प्रश्नोतरी कार्यक्रम होगा जिसमें किसानों के सवालों के जवाब दिए जाएंगे। किसान मेले को सफल बनाने के लिए विश्वविद्यालय की ओर से टेक्नीकल एक्सपर्ट की टीम का गठन कर जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....पाठकपक्ष.....

दिनांक 28.9.2022.....पृष्ठ संख्या.....—.....कॉलम.....—.....

एचएयू 'फसल अवशेष प्रबंधन' थीम पर आयोजित करेगा वर्चुअल किसान मेला

पाठकपक्ष न्यूज, हिसार, 28 सितम्बर : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की ओर से दो दिवसीय वर्चुअल किसान मेले का आयोजन आगामी 13 व 14 अक्टूबर को किया जाएगा। मेले का मुख्य विषय 'फसल अवशेष प्रबंधन' होगा। यह फैसला सोमवार को मेले के आयोजक विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. हुड्डा की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में लिया गया। बैठक में विश्वविद्यालय के सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता एवं विभागाध्यक्ष सहित मेले के आयोजन के लिए तकनीकी स्टाफ भी मौजूद था। डॉ. आर.एस. हुड्डा ने बताया कि कोरोना महामारी के चलते प्रतिवर्ष की तरह फिजिकली रूप से किसान मेले का आयोजन संभव नहीं है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम ...पांच बजे...

दिनांक 28.9.2020 पृष्ठ संख्या ...—... कॉलम ...—...

13 व 14 अक्टूबर को होगा मेला, सफलतापूर्वक आयोजन के लिए कमेटियां गठित

एचएयू 'फसल अवशेष प्रबंधन' थीम पर आयोजित करेगा वर्चुअल किसान मेला

पांच बजे न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की ओर से दो दिवसीय वर्चुअल किसान मेले का आयोजन आगामी 13 व 14 अक्टूबर को किया जाएगा। मेले का मुख्य विषय 'फसल अवशेष प्रबंधन' होगा। यह फैसला सोमवार को मेले के आयोजक विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. हुड्डा की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में लिया गया। बैठक में विश्वविद्यालय के सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता एवं विभागाध्यक्ष सहित मेले के आयोजन के लिए तकनीकी स्टाफ भी मौजूद था। डॉ. आर.एस. हुड्डा ने बताया कि कोरोना महामारी के चलते प्रतिवर्ष की तरह फिजिकली रूप से किसान मेले का आयोजन संभव नहीं है। इसलिए इस किसान मेले का आयोजन किसानों के हित को ध्यान में रखते हुए ऑनलाइन माध्यम से वर्चुअल रूप से किया जाएगा। इसके लिए विश्वविद्यालय की ओर से सभी तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि गत दिनों पंजाब कृषि विश्वविद्यालय लुधियाना में भी देश के पहले वर्चुअल किसान मेले का आयोजन किया गया था, जो सफल रहा। उसी तर्ज पर एचएयू में भी किसान मेले का आयोजन किया जा रहा है। पंजाब कृषि विश्वविद्यालय की ओर से आयोजित किसान मेले में विश्वविद्यालय से वैज्ञानिकों की एक टीम भी मुआयना करने गई थी। वैज्ञानिकों की टीम द्वारा सौंपी गई रिपोर्ट के आधार पर विश्वविद्यालय ने भी उसी तर्ज पर मेला आयोजित करने के लिए एक बैठक बुलाकर फैसला लिया है। इस वर्चुअल मेले में देश के विभिन्न राज्यों के किसान शामिल होंगे। मेला सुबह 10 बजे से सांय 4 बजे तक चलेगा। मेले के दूसरे दिन के सत्र में प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम होगा जिसमें किसानों के सवालों के जवाब दिए जाएंगे।

फिजीकल मेले का ही दूसरा रूप होगा वर्चुअल किसान मेला

विस्तार शिक्षा निदेशक अनुसार कोरोना महामारी के चलते पहली बार आयोजित किया जा रहा वर्चुअल किसान मेला फिजीकली रूप से आयोजित किए जाने वाले मेले का दूसरा रूप होगा। इसमें उसी प्रकार से किसानों को जानकारियां मुहैया करवाई जाएंगी, जिस प्रकार फिजीकली रूप से होने वाले मेले में दी जाती थी। एचएयू की ओर से प्रतिवर्ष राष्ट्रीय किसान मेले का आयोजन सितम्बर माह में किया जाता रहा है, जिसमें देशभर से लाखों किसान भाग लेते थे। मेले में विश्वविद्यालय द्वारा विकसित नई-नई किस्मों के बीज किसानों को उपलब्ध करवाए जाते थे और आधुनिक कृषि यंत्रों की भी जानकारी दी जाती थी। इस बार यह सब प्रक्रिया ऑनलाइन होगी जिसमें किसान घर बैठे बीज सहित अन्य पदार्थों की ऑनलाइन बुकिंग करवा सकेंगे। बाद में किसानों को उनकी बुकिंग अनुसार नजदीकी कृषि विज्ञान केंद्रों या अन्य माध्यमों से सामान मुहैया करवाया जाएगा।

टीम गठित, टेक्नीकल एक्सपर्ट को किया टीम में शामिल

किसान मेले को सफल बनाने के लिए विश्वविद्यालय की ओर से टेक्नीकल एक्सपर्ट की टीम का गठन कर जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। साथ ही किसानों की मेले के दौरान किसी भी प्रकार की समस्या से संबंधित आने वाली ऑनलाइन रिक्वेस्ट का तुरंत रिस्पॉंस देने के लिए भी एक वैज्ञानिकों की टीम का पैनल बनाया गया है, जो किसानों की हर समस्या का ऑनलाइन समाधान बताएंगे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम दैनिक भास्कर, दैनिक जागरण, अमर उजाला

दिनांक 29.9.2020 पृष्ठ संख्या 5, 2, 2 कॉलम 1, 4, 2

खुम्ब उत्पादन पर प्रशिक्षण शिविर 5 अक्टूबर से

हिसार | एचएयू के पौध रोग विभाग द्वारा खुम्ब उत्पादन तकनीक विषय पर तीन दिवसीय ऑनलाइन व्यावसायिक प्रशिक्षण शिविर 5 अक्टूबर से शुरू होगा। पौध रोग विभाग के अध्यक्ष डॉ. अजीत सिंह राठी ने बताया कि इस प्रशिक्षण शिविर में उम्मीदवार का चयन 'पहले आओ-पहले पाओ' के आधार पर ऑनलाइन पंजीकरण के माध्यम से होगा। प्रशिक्षण निःशुल्क होगा। इस प्रशिक्षण में डॉ. अजय सिंह यादव, एचएयू के सेवानिवृत्त डॉ. एसपी गोयल, डॉ. आरएस ताया, डॉ. सुरजीत सिंह, एचएयू के सह-वैज्ञानिक डॉ. सतीश कुमार, डॉ. राकेश चुघ, डॉ. मनमोहन सिंह, डॉ. जगदीप सहित प्रगतिशील किसान मशरूम के बारे में जानकारी देंगे।

खुंभ उत्पादन तकनीक पर ऑनलाइन प्रशिक्षण

जासं, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के पौध रोग विभाग द्वारा खुंभ उत्पादन तकनीक विषय पर तीन दिवसीय ऑनलाइन व्यावसायिक प्रशिक्षण शिविर 5 अक्टूबर से शुरू होगा। यह जानकारी देते हुए पौध रोग विभाग के अध्यक्ष डा. अजीत सिंह राठी ने बताया कि इस प्रशिक्षण शिविर में उम्मीदवार का चयन पहले आओ-पहले पाओ के आधार पर ऑनलाइन पंजीकरण के माध्यम से होगा। यह प्रशिक्षण निःशुल्क होगा। इस प्रशिक्षण में महाराणा प्रताप बागवानी विश्वविद्यालय, करनाल के कुलसचिव डॉ. अजय सिंह यादव, एचएयू के सेवानिवृत्त डा. एसपी गोयल, डा. आरएस ताया, डा. सुरजीत सिंह, एचएयू के सह-वैज्ञानिक डा. सतीश कुमार, डा. राकेश चुघ आदि जानकारी देंगे।

एचएयू का खुंबी उत्पादन पर ऑनलाइन व्यावसायिक प्रशिक्षण पांच अक्तूबर से

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के पौध रोग विभाग द्वारा खुंबी उत्पादन तकनीक विषय पर तीन दिवसीय ऑनलाइन व्यावसायिक प्रशिक्षण शिविर पांच अक्तूबर से शुरू होगा। पौध रोग विभाग के अध्यक्ष डॉ. अजीत सिंह राठी ने बताया कि इस शिविर में उम्मीदवार का चयन 'पहले आओ-पहले पाओ' के आधार पर ऑनलाइन पंजीकरण के माध्यम से होगा। यह प्रशिक्षण निःशुल्क होगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....सच कहूँ.....

दिनांक 21.9.2020.....पृष्ठ संख्या.....—.....कॉलम.....—

खुम्ब उत्पादन तकनीक पर ऑनलाइन व्यवसायिक प्रशिक्षण 5 अक्तूबर से

हिसार (सच कहूँ न्यूज)। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के पौध रोग विभाग द्वारा खुम्ब उत्पादन तकनीक विषय पर तीन दिवसीय ऑनलाइन व्यावसायिक प्रशिक्षण शिविर 5 अक्तूबर से शुरू होगा। यह जानकारी देते हुए पौध रोग विभाग के अध्यक्ष डॉ. अजीत सिंह राठी ने बताया कि इस प्रशिक्षण शिविर में उम्मीदवार का चयन 'पहले आओ-पहले पाओ' के आधार पर ऑनलाइन पंजीकरण के माध्यम से होगा। यह प्रशिक्षण निःशुल्क होगा। इस प्रशिक्षण में महाराणा प्रताप बागवानी विश्वविद्यालय, करनाल के कुलसचिव डॉ. अजय सिंह यादव, एचएयू के सेवानिवृत्त डॉ. एस.पी. गोयल, डॉ. आर.एस. ताया, डॉ. सुरजीत सिंह, एचएयू के सह-वैज्ञानिक डॉ. सतीश कुमार, डॉ. राकेश बुघ, डॉ. मनमोहन सिंह, डॉ. जगदीप सहित प्रगतिशील किसान सरदार हरपाल सिंह बाजवा भी प्रतिभागियों को मशरूम बारे विस्तारपूर्वक जानकारी देंगे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम ...... समर घोष ......

दिनांक 28-9-22 ...... पृष्ठ संख्या ...... - ...... कॉलम ...... - ......

खुम्ब उत्पादन तकनीक पर ऑनलाइन व्यवसायिक प्रशिक्षण 5 अक्तूबर से

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के पौध रोग विभाग द्वारा खुम्ब उत्पादन तकनीक विषय पर तीन दिवसीय ऑनलाइन व्यावसायिक प्रशिक्षण शिविर 5 अक्तूबर से शुरू होगा। यह जानकारी देते हुए पौध रोग विभाग के अध्यक्ष डॉ. अजीत सिंह राठी ने बताया कि इस प्रशिक्षण शिविर में उम्मीदवार का चयन 'पहले आओ-पहले पाओ' के आधार पर ऑनलाइन पंजीकरण के माध्यम से होगा। यह प्रशिक्षण निःशुल्क होगा। इस प्रशिक्षण में महाराणा प्रताप बागवानी विश्वविद्यालय, करनाल के कुलसचिव डॉ. अजय सिंह यादव, एचएयू के सेवानिवृत्त डॉ. एस.पी. गोयल, डॉ. आर.एस. ताया, डॉ. सुरजीत सिंह, एचएयू के सह-वैज्ञानिक डॉ. सतीश कुमार, डॉ. राकेश चुघ, डॉ. मनमोहन सिंह, डॉ. जगदीप सहित प्रगतिशील किसान सरदार हरपाल सिंह बाजवा भी प्रतिभागियों को मशरूम बारे विस्तारपूर्वक जानकारी देंगे। इस प्रशिक्षण संबंधी पंजीकरण व अन्य प्रकार की अधिक जानकारी के लिए मोबाइल नंबर 94662-92205 पर भी संपर्क कर सकते हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम....पांच बजे....

दिनांक 28-9-2020 पृष्ठ संख्या........—........ कॉलम........—........

खुंब उत्पादन तकनीक पर व्यवसायिक प्रशिक्षण 5 से

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के पौध रोग विभाग द्वारा खुंब उत्पादन तकनीक विषय पर तीन दिवसीय ऑनलाइन व्यावसायिक प्रशिक्षण शिविर 5 अक्टूबर से शुरू होगा। पौध रोग विभाग के अध्यक्ष डॉ. अजीत सिंह राठी ने बताया कि इस प्रशिक्षण शिविर में उम्मीदवार का चयन 'पहले आओ-पहले पाओ' के आधार पर ऑनलाइन पंजीकरण के माध्यम से होगा। यह प्रशिक्षण निःशुल्क होगा। इस प्रशिक्षण में महाराणा प्रताप बागवानी विश्वविद्यालय, करनाल के कुलसचिव डॉ. अजय सिंह यादव, एचएयू के सेवानिवृत्त डॉ. एस.पी. गोयल, डॉ. आर.एस. ताया, डॉ. सुरजीत सिंह, एचएयू के सह-वैज्ञानिक डॉ. सतीश कुमार, डॉ. राकेश चुघ, डॉ. मनमोहन सिंह, डॉ. जगदीप सहित प्रगतिशील किसान सरदार हरपाल सिंह बाजवा भी प्रतिभागियों को मशरूम बारे विस्तारपूर्वक जानकारी देंगे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम..........नित्य शक्ति टाइम्स..........

दिनांक 28.9.2020 पृष्ठ संख्या.......—.......कॉलम.......—.......

खुम्ब उत्पादन तकनीक पर ऑनलाइन व्यवसायिक प्रशिक्षण 5 अक्टूबर से

हिसार (नित्य शक्ति टाइम्स न्यूज)। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के पौध रोग विभाग द्वारा खुम्ब उत्पादन तकनीकि विषय पर तीन दिवसीय ऑनलाइन व्यावसायिक प्रशिक्षण शिविर 5 अक्टूबर से शुरू होगा। यह जानकारी देते हुए पौध रोग विभाग के अध्यक्ष डॉ. अजीत सिंह राठी ने बताया कि इस प्रशिक्षण शिविर में उम्मीदवार का चयन 'पहले आओ-पहले पाओ' के आधार पर ऑनलाइन पंजीकरण के माध्यम से होगा। यह प्रशिक्षण निश्शुल्क होगा। इस प्रशिक्षण में महाराणा प्रताप बागवानी विश्वविद्यालय, करनाल के कुलसचिव डॉ. अजय सिंह यादव, एचएयू के सेवानिवृत्त डॉ. एस.पी. गोयल, डॉ. आर.एस. ताया, डॉ. सुरजीत सिंह, एचएयू के सह-वैज्ञानिक डॉ. सतीश कुमार, डॉ. राकेश चुघ, डॉ. मनमोहन सिंह, डॉ. जगदीप सहित प्रगतिशील किसान सरदार हरपाल सिंह बाजवा भी प्रतिभागियों को मशरूम बारे विस्तारपूर्वक जानकारी देंगे। इस प्रशिक्षण संबंधी पंजीकरण व अन्य प्रकार की अधिक जानकारी के लिए मोबाइल नंबर 94662-92205 पर भी संपर्क कर सकते हैं।

खुम्ब उत्पादन तकनीक प्रशिक्षण पांच से

हिसार/28 सितंबर/रिपोर्टर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के पौध रोग विभाग द्वारा खुम्ब उत्पादन तकनीक विषय पर तीन दिवसीय ऑनलाइन व्यावसायिक प्रशिक्षण शिविर 5 अक्टूबर से शुरू होगा। पौध रोग विभाग के अध्यक्ष डॉ. अजीत सिंह राठी ने बताया कि इस प्रशिक्षण शिविर में उम्मीदवार का चयन 'पहले आओ.पहले पाओ' के आधार पर ऑनलाइन पंजीकरण के माध्यम से होगा। यह प्रशिक्षण निःशुल्क होगा। इस प्रशिक्षण में महाराणा प्रताप बागवानी विश्वविद्यालय, करनाल के कुलसचिव डॉ. अजय सिंह यादव, एचएयू के सेवानिवृत्त डॉ. एसपी गोयल, डॉ. आरएस ताया, डॉ. सुरजीत सिंह, एचएयू के सह.वैज्ञानिक डॉ. सतीश कुमार, डॉ. राकेश चुघ, डॉ. मनमोहन सिंह, डॉ. जगदीप सहित प्रगतिशील किसान सरदार हरपाल सिंह बाजवा भी प्रतिभागियों को मशरूम बारे जानकारी देंगे। इस प्रशिक्षण संबंधी पंजीकरण व अन्य प्रकार की अधिक जानकारी के लिए मोबाइल नंबर 94662.92205 पर भी संपर्क कर सकते हैं।